पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने के0जी0एम0यू0 में लगभग 01 हजार करोड़ रु0 लागत की विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

सेण्टर फॉर ऑर्थोपैडिक सुपर स्पेशियलिटी, न्यू कॉर्डियोलॉजी विंग, न्यू गेस्ट हाउस के ऊपर अतिरिक्त तल के निर्माण कार्य का लोकार्पण

जनरल सर्जरी विभाग के नवीन भवन, 500 बेड की क्षमता के ट्रॉमा सेण्टर विस्तार एवं पेशेन्ट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स, नवीन प्रशासनिक भवन और डायग्नोस्टिक सेण्टर एवं पेशेन्ट रिलेटिव एक्मोडेशन फैसिलिटी ब्लॉक का शिलान्यास

लोकमंगल की कामना के लिए स्थापित के0जी0एम0यू0 संस्थान समय के अनुरूप अपने कार्यों को सम्पादित कर रहा : मुख्यमंत्री

के0जी0एम0यू0 प्रदेश का एकमात्र चिकित्सा संस्थान, जिसने पिछली सदी और वर्तमान सदी में दो बड़ी महामारियों का सामना किया

के0जी0एम0यू0 महानगरीय सुविधा से बाहर के क्षेत्रों में अपनी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराए

प्रदेश सरकार आई0आई0टी0 कानपुर के साथ 'मेड टेक कार्यक्रम' को आगे बढ़ा रही, आई0आई0टी0 कानपुर मेडिकल टेक्नोलॉजी में अपने एक नये सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस को लेकर आगे बढ़ रहा, इस सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस के साथ के0जी0एम0यू0 और एस0जी0पी0जी0आई0 जुड़ें

मेडिकल टेक्नोलॉजी की दिशा में प्रो–एक्टिव होकर बहुत कुछ करने की आवश्यकता

गत वर्ष उ0प्र0 में 17 मेडिकल कॉलेजों में स्नातक स्तर में नये एडमिशन हुए

लखनऊ : 14 जुलाई, 2025

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि के0जी0एम0यू0 प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के एक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में से एक है। आज के0जी0एम0यू0 को लगभग 1000 करोड़ रुपये की लागत की विभिन्न सुविधाओं की सौगात प्राप्त हुई है। लोकमंगल की कामना के लिए स्थापित के0जी0एम0यू0 संस्थान समय के अनुरूप अपने कार्यों को सम्पादित कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (के0जी0एम0यू0) में लगभग 01 हजार करोड़ रुपये लागत की विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री जी ने सेण्टर फॉर

ऑर्थोपैडिक सुपर स्पेशियलिटी, न्यू कॉर्डियोलॉजी विंग तथा न्यू गेस्ट हाउस के ऊपर अतिरिक्त तल के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। उन्होंने जनरल सर्जरी विभाग के नवीन भवन, 500 बेड की क्षमता के ट्रॉमा सेण्टर विस्तार एवं पेशेन्ट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स, नवीन प्रशासनिक भवन तथा डायग्नोस्टिक सेण्टर एवं पेशेन्ट रिलेटिव एक्मोडेशन फैसिलिटी ब्लॉक का शिलान्यास किया। उन्होंने लोकार्पित भवनों का निरीक्षण किया और मरीजों की कुशलक्षेम पूछी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि के0जी0एम0यू0 ने अपने 120 वर्ष की शानदार यात्रा में अनेक मील के पत्थर खड़े किये हैं। के0जी0एम0यू0 में पूरे प्रदेश, अगल–बगल के राज्यों व नेपाल राष्ट्र से भी बहुत सारे मरीज इलाज के लिए आते हैं, क्योंकि मरीजों व उनके परिजन को के0जी0एम0यू0 के ऊपर विश्वास है कि वह वहां से स्वस्थ होकर वापस जाएंगे।

के0जी0एम0यू0 प्रदेश का एकमात्र चिकित्सा संस्थान है, जिसने पिछली सदी और वर्तमान सदी में दो बड़ी महामारियों का सामना किया है। पिछली सदी में आई महामारी के समय के0जी0एम0यू0 शैशवावस्था में था। इस सदी की कोरोना महामारी में के0जी0एम0यू0 पहला संस्थान था, जिसने इस बीमारी से लड़ने के लिए अपने आप को जांच की सुविधा का केन्द्र बनाया। कोविड–19 की जांच की सुविधा के0जी0एम0यू0 से ही प्रारम्भ हुई।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद बलरामपुर में के0जी0एम0यू0 का एक सैटेलाइट सेण्टर स्थापित किया गया है। अब समय आ गया है कि के0जी0एम0यू0 महानगरीय सुविधा से बाहर के क्षेत्रों में अपनी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराए। गत वर्ष के0जी0एम0यू0 ने अपने यहां फैकल्टी मेम्बर्स की बड़े पैमाने पर नियुक्ति की है। बलरामपुर में मेडिकल कॉलेज अगले सत्र से प्रारम्भ करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में नये–नये नर्सिंग कॉलेज स्थापित हो रहे हैं। नर्सिंग मेडिकल हेल्थ की बैकबोन है। इसलिए नर्सिंग सेवा जितनी मजबूत होगी, हम उतने बेहतर परिणाम देने में सफल हो पाएंगे। मैनपावर गैप को समय से पूरा करना चाहिए, क्योंकि रिजल्ट देना है तो हमारे पास टीम होनी चाहिए। लोकमंगल के प्रतिनिधि के रूप में चिकित्सकों व सहयोगी स्टाफ की समाज में अपनी एक विशिष्ट प्रतिष्ठा है।

प्रदेश सरकार आई0आई0टी0 कानपुर के साथ 'मेड टेक कार्यक्रम' को आगे बढ़ा रही है। आई0आई0टी0 कानपुर मेडिकल टेक्नोलॉजी में अपने एक नये सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस को लेकर आगे बढ़ रहा है। हमारा प्रयास है कि इस सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस के साथ के0जी0एम0यू0 और एस0जी0पी0जी0आई0 भी जुड़ें। आज दुनिया में मेडिकल टेक्नोलॉजी एडवान्स स्टेज में आ चुकी है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें मेडिकल टेक्नोलॉजी की दिशा में प्रो–एक्टिव होकर बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। प्रदेश सरकार इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में लोगों ने बदलते भारत को देखा है। नये भारत ने जीवन के हर क्षेत्र में एक नयी प्रगति की है। भारत की प्रगति पूरी दुनिया में सराही जा रही है। डबल इंजन सरकार स्वास्थ्य सेवाओं की उन्नति की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। एम्स जैसे संस्थान देश में स्वास्थ्य के बेहतरीन केन्द्र माने जाते हैं। आजादी के बाद से वर्ष 1998–99 तक देश में केवल एक एम्स स्थापित हुआ था। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय देश में 06 नये एम्स स्थापित हुए, जिनकी संख्या विगत 11 वर्षों में बढ़कर 23 हो गयी है। एम्स केवल उच्च चिकित्सा शिक्षा के ही केन्द्र नहीं हैं, बल्कि शोध और विकास के भी वाहक हैं। के0जी0एम0यू0 भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश में पहले गवर्नमेण्ट मेडिकल कॉलेजों की संख्या बहुत कम थी। आजादी से लेकर वर्ष 2017 तक प्रदेश में कुल 17 मेडिकल कॉलेज बन पाए थे, जिनमें 13 राजकीय मेडिकल कॉलेज, 03 पी0पी0पी0 मोड पर व 01 निजी मेडिकल कॉलेज शामिल था। आज राज्य सरकार 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज' की परिकल्पना को साकार कर रही है। यदि जनपद स्तर पर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो जाएंगी तो के0जी0एम0यू0 जैसे संस्थानों के कार्यबोझ में भी कमी आएगी। गत वर्ष उत्तर प्रदेश में 17 मेडिकल कॉलेजों में स्नातक स्तर में नये एडमिशन हुए हैं। विगत साढ़े आठ वर्षों में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से विस्तार हुआ है। आज प्रदेश के हर जनपद में डायलिसिस व प्लेटलेट्स की सुविधा उपलब्ध है। इन्सेफेलाइटिस से लोग अब डरते नहीं हैं। संचारी रोगों से रोकथाम के लिए जन–जागरूकता बढ़ी है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि के0जी0एम0यू0 में पढ़ना यहां फैकल्टी मेम्बर बनना, यहां की गतिविधियों में शामिल होना, चिकित्सा क्षेत्र में कार्य करने वाले हर व्यक्ति की प्रगति का सूचक है। अपने 120 वर्षों के सफर में के0जी0एम0यू0 ने मरीजों की उल्लेखनीय सेवा की है। हम सभी को मरीज को नारायण मानते हुए उसकी सेवा करनी चाहिए।

कार्यक्रम को चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री मयंकेश्वर शरण सिंह, के0जी0एम0यू0 की कुलपति प्रो0 सोनिया नित्यानंद ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रति कुलपति प्रो0 अभिजीत कौर, कार्यक्रम संयोजक प्रो0 के0के0 सिंह, के0जी0एम0यू0 के आचार्य, शिक्षकगण व छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

———————

PN-CM-KGMU Lokarpan & Shilanyas Programme -14 July, 2025